हमारा स्वास्थ्य, हमारी आवाज

(प्रिया, मार्था फैरल फाउंडेशन, एस.एच.एल.सी. (ग्लासगो विश्वविद्यालय) और गुरुग्राम विश्वविद्यालय द्वारा एक पहल[1])

मित्रता क्लिनिक (एडोलेसेंट फ्रेंडली हेल्थ क्लिनिक) सुविधाओं को प्रभावी और किशोर अनुकूल बनाने के लिए गुरुग्राम की अनौपचारिक बस्तियों के किशोरों का घोषणा पत्र

'मित्रता क्लिनिक' (एडोलेसेंट फ्रेंडली हेल्थ क्लिनिक) सेवाओं में सुधार के लिए, गुरुग्राम शहर की अनौपचारिक बस्तियों के किशोर निम्नलिखित परिवर्तनों की आशा करते हैं:

- गुरुग्राम की किशोर आबादी के अनुरूप, खासकर अनौपचारिक बस्तियों के किशोरों को सेवा प्रदान करने में सक्षम किशोर अनुकूल मित्रता क्लीनिकों (AFHC) की संख्या में वृद्धि की जाये।
- प्रत्येक मित्रता क्लिनिक में महिला और पुरुष परामर्शदाता उपलब्ध हों।
- यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य (SRH) शिक्षा लड़कों के लिए भी उपलब्ध करवाई जाये।
- मित्रता क्लिनिक सेवाओं के उपयोग को बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत 'पीयर एजुकेटर' घटक को कार्यशील बनाया जाये।
- मित्रता क्लिनिक अनौपचारिक बस्तियों के नज़दीक स्थित होने चाहिए ताकि क्लिनिक तक पहुंचने में परिवहन-व्यय कम हो और आने-जाने में कठिनाई न हो।
- मित्रता क्लिनिक के सहयोगियों और चिकित्सा कर्मचारियों के लिए व्यवहार कुशलता, मुख्यतः किशोरों के साथ घुलने-मिलने के कौशल अनिवार्य परअनिवार्य रूप से ज़ोर दिया जाये।
- मित्रता क्लिनिक में कम उम्र के परामर्शदाता होने से किशोरों में निजी स्वास्थ्य संबंधी मामलों पर बातचीत करने का आत्मविश्वास बढ़ेगा और वे खुलकर परामर्श ले सकेंगे।
- समुदाय में किशोरों को उपयुक्त, स्थानीय रूप से प्रासंगिक व्यवहार परिवर्तन सामग्री वितरित की जानी चाहिए।
- फ्रंटलाइन स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा सामुदायिक स्तर पर अपनी पहुंच में सुधार करने की आवश्यकता है, विशेष रूप से अनौपचारिक बस्तियों में रहने वाले प्रवासी परिवारों के बच्चों और स्कूल छोड़ चुके बच्चों तकअपनी पहुँच बनाने के लिए।

यह घोषणा पत्र 13 और 14 अगस्त, 2021 को पार्टिसिपेटरी रिसर्च इन एशिया (प्रिया), नई दिल्ली में किशोरों के लिए आयोजित एक विज़निंग कार्यशाला के दौरान हुई चर्चा के आधार पर तैयार किया गया है। इस कार्यशाला को आयोजित करने का उद्देश्य, मित्रता क्लिनिक में उपलब्ध सेवाओं के कम उपयोग और सेवाओं की अपर्याप्त जानकारी के कारणों का गहराई से पता लगाना, किशोर स्वास्थ्य सेवाओं को सुनिश्चित करने के लिए किशोरों की भागीदारी को बढ़ावा देना तथा किशोरों के जरिये से नीतिगत परिवर्तनों हेतु सुझाव देना है। हमें आशा है की घोषणा पत्र की अनुशंषाओं से मित्रता क्लिनिक तक किशोरों की पहुंच और सेवाओं के वितरण में सुधार होगा।

राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम (RKSK) की शुरुआत राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कार्यक्रम के अंतर्गत 7 जनवरी 2014 में की गयी थी। इस कार्यक्रम में किशोरों (10 से 19 वर्ष आयु की लड़कियों और लड़कों) के लिए विभिन्न सेवायें उपलब्ध हैं। इन सेवाओं के संबंध में परामर्श और किशोरों की विभिन्न आवश्यकताओं की पूर्ती, किशोर-विशिष्ट स्वास्थ्य देखभाल की व्यापक पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एडोलेसेंट फ्रेंडली हेल्थ क्लिनिक (AFHC) की स्थापना का प्रावधान है।

गुरुग्राम में किए गए सहभागी शोध अध्ययन में स्वास्थ्य के प्रति किशोरों का खराब दृष्टिकोण सामने आया। सर्वेक्षण में भाग लेने वाले 91% किशोरों को एडोलेसेंट फ्रेंडली हेल्थ क्लिनिक की जानकारी नहीं थी। माताओं के साथ केन्द्रीय-समूह परिचर्चा में किशोर स्वास्थ्य के मामले में फ्रंटलाइन स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की पहुँच को कम पाया गया।

कोरोना महामारी की स्थिति जिसने स्वास्थ्य प्रणाली पर अत्यधिक प्रभाव डाला है, और किशोरों में स्वास्थ्य के प्रति सुस्त रवैये को ध्यान में रखते हुए, ऐसे तरीकों का पता लगाना आवश्यक है जिनके माध्यम से एडोलेसेंट फ्रेंडली हेल्थ क्लिनिक (मित्रता क्लिनिक) के साथ किशोरों की सहभागिता और संपर्क को बढ़ाया और मजबूत किया जा सके और अधिक से अधिक किशोर जागरूक हो सकें और साथ ही सेवाओं से लाभ प्राप्त कर सकें। सुविधा-आधारित हस्तक्षेपों को लागू करना और उन्हें मज़बूत बनाना सही दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है जो स्वास्थ्य के प्रति किशोरों के दृष्टिकोण को सकारात्मक बनाएगा।

---

1 किशोर लड़कों व लड़कियों के साथ यह सहभागी शोध गुरुग्राम शहर की 5 अनौपचारिक बस्तियों (हरिजन बस्ती, चकरपुर, घाटा, सिकंदरपुर और नाथुपुर) में किया गया है। इस शोध का उद्देश्य किशोर स्वास्थ्य के क्षेत्र में सहभागी शोध की पद्धति के प्रयोग को बढ़ावा देना है।